● **सुनो, पढ़ो और गाओ :**

५. (ब) जीवन

-हस्तीमल 'हस्ती'

जन्म : ११ मार्च १९४६ अमेठ, राजसमंद (राजस्थान) **रचनाएँ :** क्या कहें किससे कहें, कुछ और तरह से भी आदि गजल संग्रह ।
परिचय : हस्तीमल 'हस्ती' जी जाने माने गजलकार है । गजल के अतिरिक्त उन्होंने दोहे और गीत भी लिखे हैं ।
प्रस्तुत रचना में गजलकार ने सभी के साथ स्नेहपूर्वक, हिल-मिलकर रहने की बात कही है ।

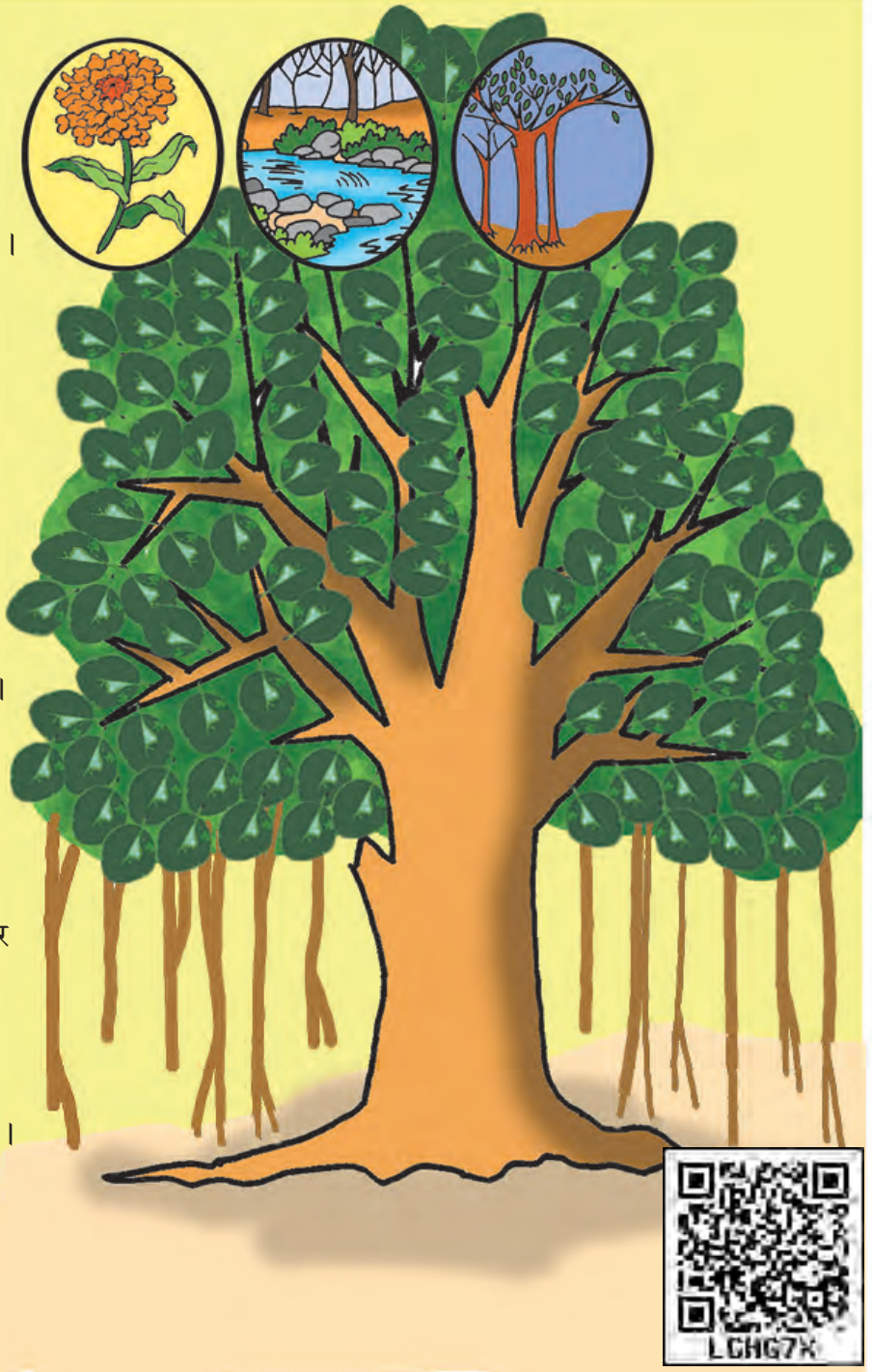

सबको गले लगाते चलना,
स्नेह नगर से जब भी गुजरना ।

अनगिन बूँदों में कुछ को ही
आता है फूलों पे ठहरना ।

बरसों याद रखें ये लहरें
सागर से यूँ पार उतरना ।

फूलों का अंदाज सिमटना,
खुशबू का अंदाज बिखरना ।।

गिरना भी है बहना भी है
जीवन भी है कैसा झरना

अपनी मंजिल ध्यान में रखकर
दुनिया की राहों से गुजरना ।

पर्वत,मिट्टी, पेड़ ज्यों रहते
जग में सबसे हिलमिल रहना ।

❑ लय ताल, आरोह-अवरोह के साथ गजल गाएँ । विद्यार्थियों से समूह में गवाएँ । गजल से प्राप्त जीवनमूल्यों के संदर्भ में चर्चा करें, कराएँ । विद्यार्थी बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, पूछें । अधोरेखांकित शब्दों के अर्थ शब्दकोश की सहायता से ढूँढ़ने के लिए कहें ।